Webinar on vaccination held at Rajasthan University

TIMES NEWS NETWORK

Jaipur: A webinar titled 'Covid-19 & Vaccination: Everything Worth Knowing' was organised by the Entrepreneurship & Career Hub (ECH) at University of Rajasthan on Friday.

The session saw Dr Kapil Mathur, assistant manager, Development Quality Control, Bharat Biotech International Limited sharing his experience and knowledge with the participants about Covid-19 and his journey of vaccine research and designing being an integral part of the team of Bharat Biotech International Limited.

The evening started with the inaugural address by vice-chancellor Prof Rajeev Jain where he emphasised on the importance of innovation and novel research which has contributed in improving public health. Dr Mathur started with a brief introduction about the Covid-19 virus, its mechanism of infection and different approaches of vaccine research and designing. He also described the salient features of various vaccines manufactured worldwide and the importance of vaccination which can help a community achieve herd immunity while saving the lives of toddlers, children, pregnant and lactating women without vaccination.

The session saw Dr Kapil Mathur, assistant manager, Development Quality Control, Bharat Biotech International Limited sharing his experience with Covid

He suggested everyone to get vaccinated. He said that recently recovered individuals should get the jab after 3-4 months as the individual possesses immunity till then. Mathur also emphasised to make sure that the first and the second dose are of the same vaccine as all the available vaccines use different modes to develop immunity in an individual.

है। इस बार ईद की मुबारकबाद समुदाय के लोगों ने इबादत मस्जिदों मनाया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय की मुबारक बाद दी।

आयोजन राजस्थान विश्वविद्यालय के द्वारा वैक्सीनेशन के विभिन्न पहलुओं को लेकर भारत बायोटेक के

वरिष्ठ विशेषज्ञ के साथ वेबिनार का आयोजन

जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के RUSA 2.0 समर्थित्त एंटरप्रेन्योरशिप एंड कैरियर हब के द्वारा कोविड-19 के संक्रमण से बचाव को लेकर चलाए जा रहे वैक्सीनेशन के विभिन्न पहलुओं पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार की शुरुआत माननीय कुलपति, प्रो. राजीव जैन के उद्घाटन भाषण से हुई जहां उन्होंने महामारी के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्टार्ट-अप, उद्यमियों, इनोवेटर्स को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया अभियान के बारे में भी चर्चा की, जो भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदल सकता है। इवेंट में आगे प्रोफेसर एस.एल. शर्मा, नोडल अधिकारी, RUSA 2.0 ने, भागीदारो को एंटरप्रेन्योरशिप एंड कैरियर हब से परिचित कराते हुए कहा कि किस प्रकार कोविड-19 के कठिन समय में नवाचारों और रचनात्मकता में इनोवेटर्स की भूमिका हो सकती है। डॉ विदया पाटनी, समन्वयक, एंटरप्रेन्योरशिप एंड कैरियर हब ने अतिथि, डॉ कपिल माथुर, असिस्टेंट मैनेजर (डेवलपमेंट एंड क्वालिटी कंट्रोल) भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड

का स्वागत किया। डॉ माथुर ने कोविड-19 वायरस का संक्षिप्त परिचय, इसके संक्रमण की प्रक्रिया के साथ अपने लेक्चर की शुरुआत की, जिसके बाद उन्होंने वैक्सीन अनुसंधान और डिजाइनिंग के विभिन्न तरीकों को साझा किया। उन्होंने टीके की मुख्य विशेषताएं बताते हुए टीके एवं टीकाकरण का महत्व भी बताया। डॉ कपिल माथुर ने वेबीनार से जुड़े हुए विश्वविद्यालय शिक्षकों वह अन्य प्रतिभागियों को वैक्सीनेशन, विशेष रुप से भारत बायोटेक द्वारा निर्मित स्वदेशी कोविवैक्सीन से जुड़ी जिज्ञासाओं वह भ्रांतियों की विस्तृत रुप से जानकारी दी। वैक्सीन को लेकर फैल रही भ्रांति के संबंध में डॉ माथुर ने स्पष्ट किया की वैक्सीन डोज लगने के बाद कुछ व्यक्तिओ में हल्के लक्षण आ सकते है जैसे सिरदर्द, बुखार, घबराहट आदि, इससे उनको घबराने की जरुरत नहीं है ये हमारे प्रतिरक्षा तंत्र के सक्रिय होने का संकेत है। कोई साइड इफेक्ट लगातार बने रहते है तो उसे चिकित्सकों की राय ले लेनी चाहिए। डॉ कपिल माथुर ने वैक्सीन के निर्माण की प्रक्रिया एवं वैक्सीन के प्रकार के बारे मे जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना वायरस काफी तेजी से म्युटेंट कर रहा है जिसके कारण यह वायरस आज भारत एवं विश्व के लिए एक बड़ी चुनौती है, इस कारण यह कहना अभी जल्दी होगा की वैक्सीन के दोनों डोज लगाने के साल भर बाद भी दोबारा वैक्सीन लगाए जाने की आवश्यकता होगी या नहीं। इस वेबीनार मे उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोवैक्सीन की प्रथम डोज लगाने के बाद कोविशील्ड या अन्य दूसरी कोई वैक्सीन का डोज नहीं लगाना चाहिए।

आरयू में वैक्सीनेशन को लेकर वरिष्ठ विशेषज्ञ के साथ वेबिनार

दोनों डोज लगाने के सालभर बाद वैक्सीन की जरूरत होगी या नहीं यह कहना अभी जल्दबाजी : डॉ. माथुर

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के रूसा 2.0 समर्थित एंटरप्रेन्योरशिप एंड कॅरियर हब की ओर से शुक्रवार को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव को लेकर चलाए जा रहे वैक्सीनेशन के विभिन्न पहलुओं पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के उद्घाटन भाषण में कुलपति प्रो. राजीव जैन ने महामारी के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्टार्ट-अप, उद्यमियों, इनोवेटर्स को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया अभियान के बारे में भी चर्चा की, जो भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदल सकता है।

नोडल अधिकारी प्रो. एसएल शर्मा ने एंटरप्रेन्योरशिप एंड कॅरियर हब से परिचित कराते हुए कहा कि किस प्रकार कोविड-19 के कठिन समय में नवाचारों और रचनात्मकता में इनोवेटर्स की भूमिका हो सकती है। एंटरप्रेन्योरशिप एंड कॅरियर हब समन्वयक डॉ. विद्या पाटनी ने वेबिनार के अतिथि भारत बायोटेक के असिस्टेंट मैनेजर डॉ. कपिल माथुर का स्वागत किया। डॉ. कपिल माथुर ने शिक्षकों व अन्य प्रतिभागियों को वैक्सीनेशन, विशेष रूप से भारत बायोटेक द्वारा निर्मित स्वदेशी कोवैक्सीन से जुड़ी जिज्ञासाओं और भ्रांतियों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. माथुर ने स्पष्ट किया कि वैक्सीन की डोज लगने के बाद कुछ लोगों में हलके लक्षण आ सकते हैं, जैसे सिरदर्द, बुखार, घबराहट आदि। इनसे घबराने की जरूरत नहीं है। ये प्रतिरक्षा तंत्र के सक्रिय होने का संकेत हैं। कोई साइड इफेक्ट लगातार बने रहते हैं तो उसे चिकित्सकों की राय ले लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस काफी तेजी से म्यूटेंट कर रहा है, जिसके कारण यह वायरस आज भारत सहित पूरे विश्व के लिए बड़ी चुनौती है। यह कहना अभी जल्दबाजी होगा कि वैक्सीन के दोनों डोज लगाने के सालभर बाद भी दोबारा वैक्सीन लगाए जाने की आवश्यकता होगी या नहीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोवैक्सीन की प्रथम डोज लगाने के बाद कोविशील्ड या अन्य दूसरी कोई वैक्सीन का डोज नहीं लगाना चाहिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं और बच्चों को वैक्सीन लगाए जाने के संबंध में कहा कि इस बारे में अभी अध्ययन चल रहा है। इसके निष्कर्षों के आधार पर शीघ्र ही कोई सकारात्मक निर्णय हो सकता है।

दी वैक्सीनेशन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी

राजस्थान विवि में आयोजित हुआ वेबिनार

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के रूस 2.0 समर्थित एंटरप्रेन्योरशिप एंड कॅरिअर हब की ओर से कोविड-19 के संक्रमण से बचाव को लेकर चलाए जा रहे वैक्सीनेशन के विभिन्न पहलुओं पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार की शुरुआत कुलपति प्रो. राजीव जैन के भाषण से हुई। उन्होंने महामारी के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला व स्टार्टअप, उद्यमियों, इनोवेटर्स को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया अभियान की चर्चा की, जो देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदल सकता है।

कॅरिअर पर चर्चा

प्रोफेसर एसएल शर्मा ने एंटरप्रेन्योरशिप एंड कॅरिअर हब से परिचित कराते हुए बताया किस प्रकार नवाचारों और रचनात्मकता में इनोवेटर्स की भूमिका हो सकती है। डॉ. विद्या पाटनी, समन्वयक, एंटरप्रेन्योरशिप एंड कॅरिअर हब ने डॉ. कपिल माथुर, असिस्टेंट मैनेजर डवलपमेंट एंड क्वॉलिटी कंट्रोल भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि. का स्वागत किया।

वैक्सीन का महत्व

डॉ. माथुर ने कोविड 19 वायरस का संक्षिप्त परिचय, इसके संक्रमण की प्रक्रिया के साथ अपने लेक्चर की शुरुआत की, जिसके बाद उन्होंने वैक्सीन अनुसंधान और डिजाइनिंग के विभिन्न तरीकों को साझा किया। उन्होंने टीके की मुख्य विशेषताएं बताते हुए टीके और टीकाकरण का महत्व भी बताया। डॉ. कपिल माथुर ने वेबिनार से जुड़े हुए विश्वविद्यालय शिक्षकों वह अन्य प्रतिभागियों को वैक्सीनेशन, विशेष रूप से भारत बायोटेक द्वारा निर्मित स्वदेशी कोवैक्सीन से जुड़ी जिज्ञासाओं व भ्रांतियों की विस्तृत रूप से जानकारी दी।

लक्षण से घबराएं नहीं

वैक्सीन को लेकर फैल रही भ्रांति के संबंध में डॉ. माथुर ने स्पष्ट किया कि वैक्सीन डोज लगने के बाद कुछ व्यक्तिओं में आने वाले हल्के लक्षणों सिरदर्द, बुखार, घबराहट आदि से घबराने की जरूरत नहीं है। ये हमारे प्रतिरक्षा तंत्र के सक्रिय होने का संकेत है। डॉ. कपिल माथुर ने वैक्सीन के निर्माण की प्रक्रिया और वैक्सीन के प्रकार के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।